

**समकन** पुं. (तद्.) पसीने की बूँद/बूँद, पसीना, श्रम जल, श्रमकण, श्रमसीकर।

**समना** अ.क्रि. (तद्.) 1. श्रम करना, थकना 2. कष्ट उठाना।

**समसीकर/समनीर** पुं. (तद्.) पसीने की बूँद/बूँद, श्रमजल थक-कर।

**समित** वि. (तद्.) 1. थका हुआ, श्रान्त 2. शिथिल।

**स्रव** पुं. (तत्.) 1. बहाव, प्रवाह 2. झरना क्षरण 3. पेशाब, मूत्र।

**स्रवण** पुं. (तत्.) 1. टपकना/चूना/रिसना या झरना 2. पसीना 3. गर्भपात 4. मासिक धर्म के समय होने वाला रक्तस्राव प्राणि. 1. जीवों में कोशिका या ग्रंथि से निकला विशिष्ट तरल 2. उक्त तरल निकलने की क्रिया।

**स्रवणक्षेत्र** पुं. (तत्.) वह सारा क्षेत्र जहाँ का वर्षा-जल एकत्र होकर किसी नदी के मूल का रूप धारण करता हो, जाली। catchment area

**स्रवणगर्भा** वि. (तत्.) स्त्री या मादा पशु जिसका गर्भ गिर गया हो।

**स्रवन** पुं. (देश.) 1. श्रवण 2. कान।

**स्रवना** अ.क्रि. (तद्.) 1. बहना, चूना, टपकन 2. गिरना उदा. अति गर्व गनई न सगुन असगुन स्रवहिं आयुध हाथ तैं- तुलसी स.क्रि. 1. बहाना 2. गिराना उदा. चलत दशानन डोलति अवनी। गर्जत गर्भ स्रवहिं सुररवनी-तुलसी।

**स्रवा** स्त्री. (तत्.) 1. मरोड़फली, मूर्वा 2. जीवंती, डोडी।

**स्रष्टता** स्त्री. (तद्.) सृष्टि करने का कार्य या भाव।

**स्रष्टत्व** पुं. (तद्.) स्रष्टता।

**स्रष्टव्य** वि. (तद्.) जिसकी सृष्टि होने को हो या हो जानी चाहिए।

**स्रष्टा** वि. (तद्.) 1. सृष्टि या रचना करने वाला, निर्माता, रचयिता पुं. 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. शिव।

**स्रसतर** पुं. (तत्.) घास-पात का विछावन।

**स्रस्त** वि. (तत्.) 1. गिरा हुआ, च्युत, पतित 2. लटका हुआ 3. डूबा हुआ 4. ढीला किया हुआ, शिथिल 5. घायल किया हुआ, आहत उदा. हे स्रस्त ध्वस्त, है शुष्क शीर्ण- पंत 6. बिखरा हुआ, विच्छिन्न उदा. मुझे स्रस्त उस सपने के पीछे-पीछे जाना था- दिनकर 7. अलग किया हुआ 8. झुका हुआ।

**स्रस्तर** पुं. (तत्.) बैठने का आसन।

**स्रस्तांग** वि. (तत्.) 1. ढीले अंगों वाला, शिथिल शरीर वाला 2. मूर्च्छित, अचेत, बेहोश।

**स्रस्ति** स्त्री. (तत्.) स्रस्त होने की अवस्था, क्रिया या भाव।

**स्राकिशामिशी** स्त्री. (फा.) हल्के बैंगनी रंग का एक प्रकार का छोटा अंगूर, जो क्वेटे में होता है और जिसे सुखाकर किशमिश बनाते हैं।

**स्राध** पुं. (देश.) स्राद्ध, श्राद्ध।

**स्राप** पुं. (देश.) शाप।

**स्रापित** वि. (देश.) शापित, जिसे शाप मिला हो।

**स्राव** पुं. (तत्.) 1. जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के भीतरी अंगों से निकलने वाला तरल पदार्थ या रस, जो विशेष उद्देश्य सिद्ध करता है 2. टपकाव, चुआव, रिसाव, क्षरण या बहाव 3. गर्भपात।

**स्रावक** वि. (तत्.) 1. चुआने वाला 2. बहाने या निकालने वाला पुं. काली गोल मिर्च।

**स्रावकत्व** पुं. (तत्.) पदार्थों का वह गुण या धर्म, जिसके कारण कोई अन्य पदार्थ उनमें से होकर निकल जाता है।

**स्रावगी** पुं. (देश.) सरावगी।

**स्रावण** पुं. (तत्.) 1. बहा या चुआकर निकालना 2. अभिस्रावण।

**स्रावना** स.क्रि. (तद्.) 1. टपकाना, चुआना या बहाना 2. बहाकर/टपकाकर/चुआकर निकालना।